Call for articles

'Voices-Abhivyakti' the annual periodical of Gargi College, invite original and creative contributions from the student body for its 2022-23 edition on the theme **'Eudaemonia/**सर्वे भवन्तु सुखिनः'.

A short note outlining the significance of the theme is given below for your reference.

Eudaemonia (Eudemonia) is an ancient Greek word that goes one step ahead of the term 'happiness'. The ultimate rationale for our jobs, our relationships, and the conduct of our day-to-day lives is in the pursuit of happiness, which may have a shorter life than expected life. The Greek philosophers Plato and Aristotle proposed that the purpose of life went beyond happiness; it was to achieve 'Eudaimonia' a word that could mean fulfillment. The altruistic sarve bhavantu sukhinah, sarve santu niramayah that our ancient philosophers taught us—'may everyone be happy, healthy, free from disease, and may everyone prosper'—is the universal prayer that cleanses the soul and the mind to lead a stress-free life thus attaining fulfillment. The pandemic created a situation of crisis in the physical, social, psychological, and economic well-being of our life. We are still struggling to adjust to the new norm after a stressful situation of having fought and overcome. These philosophical teachings inspired us to grapple with the situation and come out stronger. The struggle was different for each of us and its experiences began to narrate in myriads of ways. With this broad rubric in mind, the theme of the 2022-23 edition of the College Magazine is titled **Eudaimonia/Sarve bhavantu sukhinah**. It plans to showcase our creativity that explores our efforts, sometimes unusual, that made our life less stressful in difficult times. The aim is to produce/ compile a corpus of writings on good virtues that went on to make people surmount the post-pandemic scenario.

We invite original and creative contributions (in English, हिन्दी, संस्कृत, and German) from the student body exploring various aspects of the theme.

Entries can be in the form of articles, poetry, short stories, diary entries, essays and so on and must be typed and sent as a clearly labelled Word Document attachment.

You are also welcome to send in original photographs or sketches on the theme. These should be clearly labelled with a caption and sent as a jpeg file.

Please mail your entries to the following email Ids

For English: haseena.pv@gargi.du.ac.in
For German: rimachauhan@hotmail.com
For Hindi: krishna.hindi@gmail.com
For Sanskrit: mamtatripathi.gargi@gmail.com

Note: Please make sure to write your name, course and semester, roll number, mobile number and email id, clearly on your entry.

The last date for submission is **25 February 2023.**

Scanned by TapScanner

यूडेमोनिया (यूडेमोनिया) एक प्राचीन ग्रीक शब्द है जो 'खुशी' शब्द से एक कदम आगे जाता है। हमारी नौकरियों, हमारे रिश्तों और हमारे दैनिक जीवन के आचरण के लिए अंतिम तर्क खुशी की खोज में है, जो कि अपेक्षित जीवन से छोटा जीवन हो सकता है। ग्रीक दार्शनिक प्लेटो और अरस्तू ने प्रस्ताव दिया कि जीवन का उद्देश्य खुशी से परे है; यह 'यूडिमोनिया' शब्द को प्राप्त करना था जिसका अर्थ पूर्णता हो सकता है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयः' जो हमारे प्राचीन दार्शनिकों ने हमें सिखाया था- 'हर कोई खुश, स्वस्थ, रोग मुक्त हो, और हर कोई समृद्ध हो' - वह सार्वभौमिक प्रार्थना है जो आत्मा और मन को तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए शुद्ध करती है और इस प्रकार तनाव मुक्त जीवन पूर्णता प्राप्त कर सकता है। महामारी ने हमारे जीवन के भौतिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक कल्याण में संकट की स्थिति पैदा कर दी। हम अभी भी संघर्षपूर्ण स्थिति के बाद भी नए मानदंडों के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन दार्शनिक शिक्षाओं ने हमें स्थिति से जूझने और मजबूत होकर बाहर आने के लिए प्रेरित किया। संघर्ष हममें से प्रत्येक के लिए अलग था और इसके अनुभव असंख्य तरीकों से वर्णन किया जा सकता है। इस व्यापक रूब्रिक को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज मैगज़ीन के 2022-23 संस्करण का विषय 'यूडेमोनिया/सर्वे भवन्तु सुखिनः' रखा गया है। यह हमारी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने की योजना है जो हमारे प्रयासों, कभी-कभी असामान्य, की पड़ताल करेगी जिसने कठिन समय में हमारे जीवन को कम तनावपूर्ण बना दिया। इसका उद्देश्य अच्छे गुणों पर लेखन का एक संग्रह तैयार करना/संकलित करना है जो लोगों को महामारी के बाद के परिदृश्य पर विजय दिलाने में मदद करे।

हम छात्र निकाय से 'यूडेमोनिया' विषय के विभिन्न पहलुओं की खोज करने वाले मूल और रचनात्मक प्रविष्टियाँ (अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत और जर्मन भाषा में) आमंत्रित करते हैं। प्रविष्टियाँ लेख, कविता, लघु कथाएँ, डायरी प्रविष्टियाँ, निबंध आदि के रूप में हो सकती हैं।

अपनी रचनाएं स्पष्ट रूप से टाइप और लेबल किए गए Word दस्तावेज़ के रूप में भेजा जाना चाहिए।

विषय पर मूल तस्वीरें या रेखाचित्र भेजने के लिए भी आपका स्वागत है। इन्हें स्पष्ट रूप से एक कैप्शन के साथ लेबल किया जाना चाहिए और एक जेपीईजी फ़ाइल (jpeg file) के रूप में भेजा जाना चाहिए।
कृपया अपनी प्रविष्टियां निम्नलिखित ईमेल आईडी पर मेल करें
अंग्रेजी भाषा के लिये: haseena.pv@gargi.du.ac.in
जर्मन भाषा के लिए: rimachauhan@hotmail.com
हिंदी भाषा के लिए: krishna.hindi@gmail.com
संस्कृत भाषा के लिए: mamtatripathi.gargi@gmail.com
Note: कृपया अपनी प्रविष्टि पर अपना नाम, पाठ्यक्रम और सेमेस्टर, रोल नंबर, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी स्पष्ट रूप से लिखना सुनिश्चित करें।

जमा करने की अंतिम तिथि 25 फरवरी 2023.

From: **Voices-Abhivyakti 2022-23 Editorial Team**

Scanned by TapScanner